भारत में खेल शिक्षा

– वी. कुमार

खेल तथा इससे जुड़े क्षेत्राों में अनेक व्यवसाय हैं, किन्तु उन व्यवसायों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकता होती है.

यदि एक खिलाड़ी के रूप में शिक्षा तथा प्रशिक्षण की तलाश है तो प्रशिक्षण प्राप्त करने का एक उपाय यह है कि आप प्रारंभ से ही खेल से जुड़ें और राज्य स्तर पर भारतीय खेल प्राधिकरण (एस.ए.आई.) के किसी केन्द्र में प्रवेश लें और धीरे–धीरे आगे बढ़ें.

शारीरिक शिक्षा

प्रशिक्षकों तथा कोचों के लिए शारीरिक शिक्षा में औपचारिक शिक्षा एक बुनियादी पाठ्यक्रम है और वह भी बुनियादी स्तर से लेकर डॉक्टरेट स्तर तक पहुंचने के लिए श्रेणीबद्ध होता है.

अन्य तथ्यों के बावजूद शारीरिक शिक्षा में डिग्री खेलों तथा इससे संबंधित क्षेत्राों में दीर्घकालीन कॅरिअर बनाने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए बहुत ही उपयोगी होती है.

अनेक राजकीय महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा में डॉक्टरेट स्तर तक के पूर्णकालीन पाठ्यक्रम भी चलाते हैं.
भारत में खेल–शिक्षा की बुनियादी संरचना निम्न प्रकार की होती है :–

(i) एन.आई.एस. डिप्लोमा.
(ii) शारीरिक शिक्षा स्नातक (बी.पी.एड.)
(iii) शारीरिक शिक्षा में मास्टर (एम.पी.एड)
(iv) एम.फिल. – शारीरिक शिक्षा.
(v) शारीरिक शिक्षा में डॉक्टरेट.

खेल प्रबंधन :

खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा अत्यधिक व्यापक रूप में चलाए जाने के कारण इन योग्यताधारियों के लिए खेल प्रबंधन में भी अनेक विकल्प उपलब्ध हैं. तथापि, खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त करने के बावजूद खेल प्रबंधन में एम.बी.ए. करना अब भी संभव नहीं है, जबकि पश्चिमी देशों के अनेक विश्वविद्यालयों से कोई भी व्यक्ति खेल प्रबंधन में एम.बी.ए. डिग्री प्राप्त कर सकता है.
खेल प्रबंधन पाठ्यक्रम में शामिल व्यापक क्षेत्रा निम्नलिखित हैं :–
प्रबंधकीय सिद्धांत
संगठनात्मक आचरण एवं खेल मनोविज्ञान
खेल सिद्धांत, दर्शन एवं सामाजिकी
खेल अर्थशास्त्रा
खेल–वित्त
खेल–विपणन
व्यवसाय एवं सरकार तथा आर्थिक एवं वित्त नीति
प्रायोजन एवं प्रसारण

खेल विज्ञान
उद्यमिता
संचार
खेल पत्राकारिता एवं जन–सम्पर्क
मात्रात्मक पद्धति, अनुसंधान प्रणाली विज्ञान एवं खेल सांख्यिकी
परियोजना कार्य एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा खेल प्रतिभा का विकास

संस्थाएं :

कुछ ऐसे केन्द्रों के नाम नीचे दिए गए हैं जहां से कोई व्यक्ति खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त कर सकता है :–
अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुड़ी, तमिलनाडु.
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
ये दोनों संस्थाएं सरकारी मान्यताप्राप्त संस्थाएं हैं और खेल प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम चलाती हैं.
अलगप्पा विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए पात्राता बी.पी.एड. तथा एन.आई.एस. डिप्लोमा परीक्षा सफलतापूर्वक पूरा करना है.
अधिक विवरण के लिए वेबसाइट **http://alagappauniversity.ac.in/about_au.php** देख सकते हैं.
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान नई दिल्ली से पी.जी.डी.एस.एम. का अध्ययन करने के लिए खेल के क्षेत्रा में उपलब्धि एवं न्यूनतम 40% अंकों के साथ स्नातक डिग्री पात्राता अपेक्षा है.
खेल प्रबंधन अनेक निजी संस्थाओं में भी एक लोकप्रिय पाठ्यक्रम बनता जा रहा है.
पूर्वी क्षेत्रा में भारतीय समाज कल्याण एवं व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाता है.

अध्ययन केन्द्र :

भारत में खिलाड़ियों के लिए प्रमुख अध्ययन एंव प्रशिक्षण संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा चलाया जाता है.

भारतीय खेल प्राधिकरण :

भारतीय खेल प्राधिकरण (एस.ए.आई.) एक राष्ट्रीय स्तर का निकाय है, जिसकी स्थापना देश में युवा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना एवं उनका विकास करना है.
इसकी स्थापना देश में खेलों एवं खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1984 में की गई थी और इसे 1984 में नई दिल्ली में आयोजित किए गए एशियाई खेलों का उत्तराधिकारी माना जाता है.
भारतीय खेल प्राधिकरण की, राजधानी में, अनेक खेल सुविधाएं तथा स्टेडियम हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल है :–
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम,
इंदिरा गांधी स्टेडियम (इन्डोर) तथा यमुना वेलोड्रॉम,
मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम,
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्वीमिंग पूल कॉम्प्लेक्स,
डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज आदि
इनके अतिरिक्त भारतीय खेल प्राधिकरण पटियाला एवं तिरुवनंतपुरम में दो उत्कृष्टता केन्द्र भी चलाता है.

भारतीय खेल प्राधिकरण राज्य स्तर पर भी विभिन्न कार्यक्रम चलाता है और इनके लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है.

भारतीय खेल प्राधिकरण के होस्टल खेलों में प्रशिक्षण देने के लिए भारत में श्रेष्ठ स्थान माने जाते हैं तथा सुयोग्य उम्मीदवारों के लिए अनेक खेल छात्रावृत्तियां भी उपलब्ध हैं.

एन.एस.आई.एस. पटियाला

नेताजी सुभाष खेल संस्थान, पटियाला (एन.एस.आई.एस.) भारत में खेल प्रशिक्षण का 'मक्का'/'जनक' के रूप में भी जाना जाता है तथा इसमें एक भव्य भवन तथा अनेक व्यापक मैदान हैं.

भारत सरकार विश्व भर से श्रेष्ठ प्रशिक्षकों को लाने के कोई प्रयास नहीं छोड़ती. उदाहरण के लिए भारतीय युवा–मुक्केबाजों की प्रगति तीव्र गति की प्रगति की राह पर अग्रसर है और विजेन्द्र, सुरंजॉय तथा अखिल जैसे मुक्केबाज खिलाड़ियों ने भारत को गौरान्वित किया है. मुक्केबाजी में सफलता का काफी श्रेय एन.एस.आई.एस. केन्द्र को जाता है, जहां क्यूबा (विश्व में श्रेष्ठ मुक्केबाज देश माना जाता है) के श्रेष्ठ कोच निरंतर कोचिंग दे रहे हैं.

एन.एस.आई.एस., पटियाला चार खेलों अर्थात एथलेटिक्स, साइकिलिंग, जूडो एवं हॉकी में भी उत्कृष्टता केन्द्र चलाता है.

एल.एन.सी.पी.ई., तिरुवंनतपुरम

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, करियावट्टम, तिरुवनंतपुरम की स्थापना वर्ष–1985 में की गई थी. यह युवा कार्य एवं खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्राालय, भारत सरकार के तत्वावधान में चलाया जाता है. यह महाविद्यालय केरल विश्वविद्यालय से संबद्ध है और इसका शैक्षिक विंग एन.एस.आई.एस., पटियाला के समतुल्य है.

यहां संचालित पाठ्यक्रम :

शारीरिक शिक्षा स्नातक (बी.पी.आई.) (3 वर्षीय)

शारीरिक शिक्षा में मास्टर (एम.पी.ई) (2 वर्षीय)

स्वास्थ्य एवं फिटनेस प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.एफ.एम.), (1 वर्षीय).

भारतीय खेल प्राधिकरण के अतिरिक्त कई अन्य अच्छे प्रशिक्षण केन्द्र भी हैं :–

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय (एल.एन.यू.पी.ई.).

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय, ग्वालियर की स्थापना 1957 में की गई थी.

इसने एन.सी.पी.ई. के रूप में विक्रम विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के रूप में कार्य प्रारंभ किया था, इसके बाद इसे मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के रूप में एन.एन.आई.पी.ई. का नाम दिया गया और अंत में यह लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय (एल.एन.यू.पी.ई.) बना.

वर्ष 2000 में यह खेल एवं युवा कार्य मंत्राालय के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्रा में आया.

यह विश्वविद्यालय डिप्लोमा, प्रमाण पत्रा स्तर से लेकर अनुसंधान डिग्री तक के अनेक पाठ्यक्रम चलाता है.

वाई.एम.सी.ए. – सी.पी.ई., तमिलनाडु

वाई.एम.सी.ए. शारीरिक शिक्षा कॉलेज तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय से जुड़ा है और इसकी स्थापना वर्ष 1920 में की गई थी. इसे छात्राों, प्रशिक्षकों एवं कोचों के लिए शारीरिक शिक्षा के क्षेत्रा में अग्रणी माना जाता है. इसे भारत की राष्ट्रीय वाई.एम.सी.ए. परिषद की एक परियोजना माना जाता है. यह कॉलेज छात्राों तथा छात्राओं कृ दोनों के लिए शारीरिक शिक्षा में अनेक कार्यक्रम चलाता है.

भारत के विभिन्न भागों में खेल शिक्षा तथा प्रशिक्षण के कुछ उच्च स्थानों की सूची नीचे दी गई हैं :–

अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुड़ी (तमिलनाडु)

आंध्र विश्वविद्यालयः कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, विशाखापत्तनम.

अवधेष प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (मध्य प्रदेश)

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.

भरथियार विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर

डॉ. बाबा साहेब नंदूरकर शारीरिक शिक्षा कॉलेज, यवतमाल, महाराष्ट्र.

डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र.

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

एल.एन.यू.पी.ई., ग्वालियर, म.प्र.

क्वीन मैरी कॉलेज, चेन्नै, तमिलनाडु.

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र.

खेलों में सफल होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खेलों में अपेक्षित कौशल होने के अतिरिक्त, प्रतिबद्धता, जोश, कठोर परिश्रम, अनुशासन, ऊर्जा, उत्साह, टीम प्रबंधन, अच्छा संचार एवं नेतृत्व के गुण होने चाहिए.

इन सभी का विकास किया जा सकता है और इन्हें आत्मसात किया जा सकता है और यदि कोई कठोर परिश्रम करने के लिए तत्पर हो तो एक श्रेष्ठ कॅरिअर सामने होता है.

(लेखक एक खेल–पत्राकार होने के साथ–साथ ओलम्पिक्स एवं क्रिकेट विश्व–कप सहित सुप्रसिद्ध खेलों का रिपोर्टिंग अनुभव भी रखते हैं.) ई–मेलः ***vidanshu@ hotmail.com***